भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3933
गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024/28 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

केरल में अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत

3933. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने केरल में और अधिक अंतर्राष्ट्रीय विमान कंपनियों के ऑपरेटरों को आकर्षित करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) केरल में प्रमुख विमानपत्तनों के लिए परिचालन आरंभ करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय विमान कंपनियों के साथ चल रही चर्चाओं अथवा समझौतों का ब्यौरा क्या है;

(ग) केरल में संचालित अंतर्राष्ट्रीय विमान कंपनियों की वर्तमान संख्या कितनी है और कुल कितने गंतव्यों तक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं;

(घ) सरकार द्वारा केरल में बढ़ी हुई विमान सेवाओं का समर्थन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तनों पर अवसंरचना और सेवाओं में वृद्धि करने के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए जा रहे हैं;

(ङ) क्या सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय विमान कंपनियों को केरल तक और केरल से उड़ान भरने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रोत्साहन या रियायतें देने पर विचार किया है;

(च) अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय विमान कंपनियों के ऑपरेटरों का केरल में पर्यटन, व्यापार और रोजगार पर अनुमानित प्रभाव क्या रहा है; और

(छ) राज्य भर में समान विकास सुनिश्चित करने के लिए केरल के कम सुविधा वाले क्षेत्रों में संपर्क स्थापित करने संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ङ) एयरलाइनों के अंतर्राष्ट्रीय परिचालन, भारत और संबंधित देश के बीच द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते (एएसए) द्वारा शासित होते हैं। एएसए के अनुसार, भारतीय नामित वाहक पारस्परिक रूप से सहमत क्षमता सीमाओं के अनुसार केरल के हवाईअड्डों सहित भारत में किसी

भी स्थल तक/से विदेशी गंतव्यों तक परिचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं, जबकि कोई भी नामित विदेशी एयरलाइन भारत में किसी स्थल से/तक परिचालन कर सकती है यदि इसे एएसए में प्वाइंट ऑफ कॉल के रूप में नामित किया गया है।

भारत में किसी भी हवाईअड्डे से सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत करना यात्री मांग, स्लॉट की उपलब्धता, मार्ग की आर्थिक व्यवहार्यता और अन्य संबंधित कारकों के आधार पर पूरी तरह से अनुसूचित एयरलाइनों का वाणिज्यिक निर्णय है। सरकार ने नागर विमानन क्षेत्र के विकास के लिए सक्षम वातावरण प्रदान किया है और वह एयरलाइनों की परिचालन योजनाओं में हस्तक्षेप नहीं करती है।

वर्तमान में, भारतीय वाहकों सहित 26 वाहक, केरल से 13 अन्य देशों के लिए अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन सेवाएं संचालित कर रहे हैं।

हवाईअड्डों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है और इसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों/विकासकर्ताओं द्वारा भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक कारकों, यातायात की मांग/एयरलाइनों की ऐसे हवाईअड्डों से परिचालन करने की इच्छा के आधार पर समय-समय पर निष्पादित किया जाता है।

तदनुसार, कन्नूर अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर कार्यालय परिसर, कार्गो परिसर, बैरक भवन, आंतरिक और बाहरी विद्युत संस्थापनों सहित परिधी सड़कों का निर्माण जैसे अवसंरचना के विकास कार्य पूरे हो गए हैं तथा कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर - 1,50,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष की संभलाई क्षमता के साथ बिजनेस जेट टर्मिनल और अंतर्राष्ट्रीय आयात कार्गो के लिए विशेष टर्मिनल से संबंधित कार्य पूरा हो गया है और तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर टर्मिनल पुनर्सज्जीकरण निर्माण कार्य, टर्मिनल कार्य एयरसाइड कार्य, लैंडसाइड निर्माण कार्य और डिजाइन कंसल्टेंसी कार्यों को पूरा किया गया है।

(च) नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने केरल में पर्यटन, व्यापार और रोजगार पर अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन प्रचालकों के अनुमानित प्रभाव पर कोई विशेष अध्ययन नहीं किया है। तथापि, संवर्धित हवाई संपर्क पर्यटन, व्यापार और रोजगार के विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

(छ) नागर विमानन मंत्रालय ने देश में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई

संपर्क को बढ़ाने और जनसाधारण के लिए हवाई यात्रा किफ़ायती बनाने हेतु दिनांक 21 अक्टूबर, 2016 को आरसीएस-उड़ान योजना शुरू की है। आरसीएस-उड़ान ने अन्य बातों के साथ-साथ, टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाईअड्डों/हेलीपोर्टों/वाटर एयरोड्रोमों के विकास के माध्यम से देश में विमानन क्षेत्र को प्रोत्साहन प्रदान किया है। योजना के प्रारंभ होने से अब तक पिछले आठ वर्षों के दौरान, 87 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों (13 हेलीपोर्टों और 2 वाटर एयरोड्रोमों सहित) को जोड़ने वाले 615 आरसीएस मार्गों को प्रचालनिक किया गया है, जिनमें केरल के लिए 20 मार्ग शामिल हैं।

******